नेहरू के लिए सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रांतियां, इससे बचें स्टूडेंट्स

नेहरू जयंती के मौके पर डीएवीवी में हुई चर्चा में बोलीं कुलपति डॉ. रेणु जैन

पत्रिका [illegible] रिपोर्टर

इंदौर। पत्रकारिता व जनसंचार अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के अंतर्गत पंडित जवाहरलाल नेहरू की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'नेहरू और आधुनिक भारत का निर्माण' विषय पर चर्चा का आयोजन किया गया।

विशेष अतिथि कुलपति डॉ. रेणु जैन ने कहा, आजाद भारत के युग प्रणेता एवं प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू आधुनिक भारत के लिए एक स्वप्न दृष्टा थे। वे अपने राष्ट्र को [illegible] की ओर आगे ले जाना चाहते थे, जिसका उदाहरण आजादी के सीमित साधन के साथ भारत में हुई औद्योगिक क्रांति, वैज्ञानिक संस्थानों में हुई शुरुआत, [illegible] में देखा जा सकता है। आज के दौर में युवाओं के बीच इस विषय पर [illegible] सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से फैलाई जा रही हैं, जो निंदनीय है। हमारे राष्ट्र के युग प्रवर्तक नेताओं के संबंध में पुख्ता जानकारी व उनके कार्यों का ज्ञान हमें हो इस दिशा में हमें अध्ययन करने की जरूरत है, ताकि [illegible]

नेहरू ने अध्ययन को दी प्राथमिकता

मुख्य अतिथि [illegible] ने कहा, आजादी के समय भारत को नेहरू के रूप में एक वैश्विक स्तर की समझ रखने वाले प्रधानमंत्री का मिलना हमारे देश के लिए सौभाग्य की बात थी। पं. नेहरू ने [illegible] और [illegible] में भारत की [illegible] हकीकत को जानते हुए अपनी योजनाओं का क्रियान्वयन किया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अध्ययन को प्राथमिकता दी। आजादी के आंदोलन के दौरान पं. नेहरू ने लगभग 10 वर्ष कारावास में व्यतीत किए जिस दौरान एक निश्चित समय अवधि में लगभग 119 किताबों का अध्ययन किया।

कुलपति ने खेला सितौलिया, बताया गली स्पोर्ट्स का महत्व | इंदौर. डीएवीवी में बाल दिवस के मौके पर आयोजित इवेंट 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' में कुलपति डॉक्टर रेणु जैन ने स्टूडेंट्स के साथ गली स्पोर्ट्स को खूब एन्जॉय किया। उन्होंने कहा, घर के आसपास और कॉलोनी, मोहल्लों में खेले जाने वाले स्पोर्ट्स इवेंट से सोशल कनेक्ट बढ़ता है और फिजिकल के साथ मेंटल हेल्थ भी स्ट्रांग होती है। इवेंट में स्टूडेंट्स ने नाटक, कविता, मिमिक्री जैसी प्रस्तुतियां दीं।